

में पागल बृज धाम का दास श्यामा श्याम का

बौल-: मुकुट सिर मोर का

में पागल बृज धाम का, दास श्यामा श्याम का,
चरणं सुखदाई, युगल सरकार के,
में पागल बृज धाम का.....

श्यामा श्याम जहां चरणं धरत है,
देख युगल चरणं मन ना भरत है,
प्रेमी सुखधाम का, दास श्यामा श्याम का,
चरणं सुखदाई, युगल सरकार के,
में पागल बृज धाम का.....

जिन चरणं की पुजा, महादेव करत है,
ब्रम्हां पुजन को ललाईत रहत है,
आनंद रस पान का, दास श्यामा श्याम का,
चरणं सुखदाई, युगल सरकार के,
में पागल बृज धाम का.....

रसका पान पागल करत है,
इन चरणं को धसका, मन में धरत है,
स्वामी जू के नाम का, दास श्यामा श्याम का,
चरणं सुखदाई, युगल सरकार के,
में पागल बृज धाम का.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28543/title/main-pagal-braj-dham-ka-dass-shyama-shyam-ka>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |